भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2046

बुधवार, दिनांक 11 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>हरित हाइड्रोजन हब</u>

2046. श्रीमती भारती पारधीः
श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकरः
श्री नरेश गणपत म्हस्केः
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदेः
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणेः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय हरित हाइड्जन मिशन (एनजीएचएम) के अंतर्गत मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के औद्योगिक क्षेत्रों में हरित हाइड्रोजन हब स्थापित करने के लिए प्राप्त प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;

(ख) मुंबई के शहरी गैस वितरण नेटवर्क में प्राकृतिक गैस के साथ हरित हाइड्रोजन के मिश्रण हेतु प्रायोगिक परियोजनाओं की स्थिति क्या है;

(ग) सरकार द्वारा उत्पादन-सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के माध्यम से उक्त राज्यों में इलेक्ट्रोलाइजर के विनिर्माण में सहायता देने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(घ) उक्त राज्यों में उर्वरक और परिशोधनशाला इकाइयों द्वारा हरित हाइड्रोजन की खरीद हेतु समग्र मांग का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार की महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के पत्तनों/शुष्क पत्तनों से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में हरित अमोनिया के निर्यात हेतु क्या कार्य-योजना है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) दिनांक 6 फरवरी 2026 की स्थिति के अनुसार, राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) के तहत मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के औद्योगिक क्षेत्रों में ग्रीन हाइड्रोजन हब की स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए हैं।

(ख) यह सूचित किया जाता है कि दिनांक 6 फरवरी 2026 की स्थिति के अनुसार, राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत मुंबई के शहरी गैस वितरण नेटवर्क में प्राकृतिक गैस के साथ ग्रीन हाइड्रोजन के मिश्रण की कोई पायलट परियोजना शुरू नहीं की गई है।

(ग) भारत सरकार राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) को लागू कर रही है, जिसका उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है।

मिशन के ग्रीन हाइड्रोजन परिवर्तन के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप (SIGHT) कार्यक्रम के तहत इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण के लिए प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत, 15 कंपनियों को 3000 मेगावाट प्रति वर्ष इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता प्रदान की गई है।

15 कंपनियां जिन्हें आवंटन किया गया है, उनमें से,

- मैसर्स होमीहाइड्रोजन प्राइवेट लिमिटेड ने महाराष्ट्र में एक इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण सुविधा स्थापित करने की अपनी मंशा की घोषणा की है।
- मैसर्स जीएच2 सोलर प्राइवेट लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में एक इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण सुविधा स्थापित करने की अपनी मंशा की घोषणा की है।

(घ) मांग एकत्रीकरण का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

i. साइट कार्यक्रम के अंतर्गत - घटक - II: ग्रीन अमोनिया उत्पादन की खरीद के लिए प्रोत्साहन के अंतर्गत तेरह उर्वरक कंपनियों ने ग्रीन अमोनिया की 7,24,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) ग्रीन अमोनिया की वार्षिक मांग का संकेत दिया है, जिसमें 1,30,000 एमटीपीए ग्रीन अमोनिया की कुल मांग के साथ मध्य प्रदेश में स्थित दो उर्वरक संयंत्र और 70,000 एमटीपीए ग्रीन अमोनिया की मांग के साथ महाराष्ट्र में स्थित एक उर्वरक संयंत्र शामिल है।

ii. साइट कार्यक्रम के तहत - घटक - II: रिफाइनरियों को आपूर्ति के लिए ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की खरीद को प्रोत्साहन देने के तहत, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मध्य प्रदेश में अपनी बीना रिफाइनरी के लिए 5000 एमटीपीए ग्रीन हाइड्रोजन की मांग आवंटित की गई है।

(ड.) ग्रीन अमोनिया का निर्यात परियोजना विकासकर्ताओं द्वारा उनकी वाणिज्यिक व्यवस्थाओं, लॉजिस्टिक व्यवहार्यता और अंतर्राष्ट्रीय खरीद व्यवस्थाओं के आधार पर किया जाता है।

*****